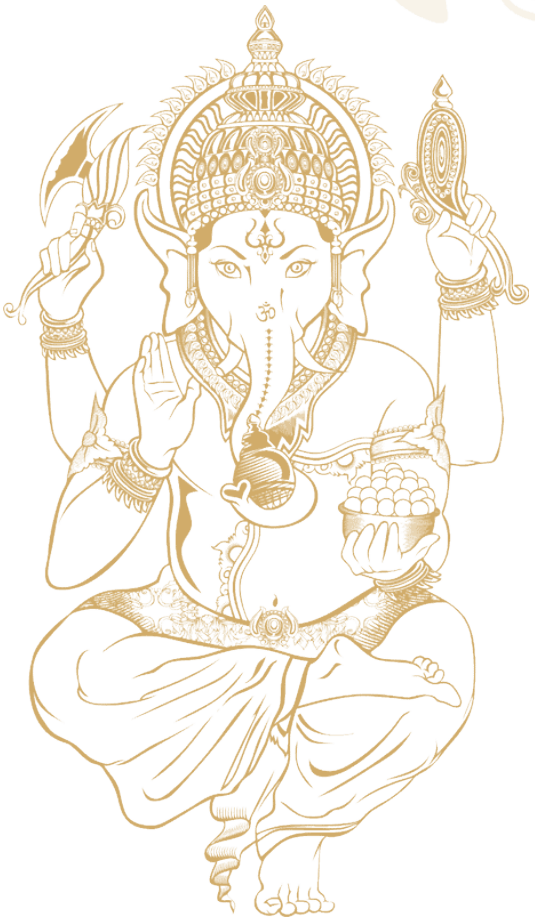

Nikhal

17 Dec 1998

05:42 PM

Dausa

Model: web-freekundliweb

Order No: 120937115

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/12/1998**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**17:42:00 घंटे**
इष्ट	26:27:26 घटी
स्थान	**Dausa**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:51:00 उत्तर
रेखांश	76:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:17:24 घंटे
वेलान्तर	00:04:02 घंटे
साम्पातिक काल	23:01:05 घंटे
सूर्योदय	07:07:01 घंटे
सूर्यास्त	17:34:15 घंटे
दिनमान	10:27:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	01:30:13 धनु
लग्न के अंश	04:16:09 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शूल
करण	शकुनि
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ने-नैनसुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	04:16:09	333:43:17	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			धनु	01:30:13	01:01:05	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	15:24:37	12:06:32	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	नीच राशि
मंगल			कन्या	17:07:09	00:31:41	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	10:15:02	00:48:23	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
गुरु			कुंभ	26:14:26	00:06:33	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
शुक्र			धनु	13:21:40	01:15:19	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि	व		मेष	03:03:53	00:01:20	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	नीच राशि
राहु	व		सिंह	00:03:52	00:11:45	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	00:03:52	00:11:45	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मक	16:24:36	00:02:43	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप			मक	06:43:20	00:01:56	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	14:44:44	00:02:17	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	20:10:02	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:23

लग्न-चलित

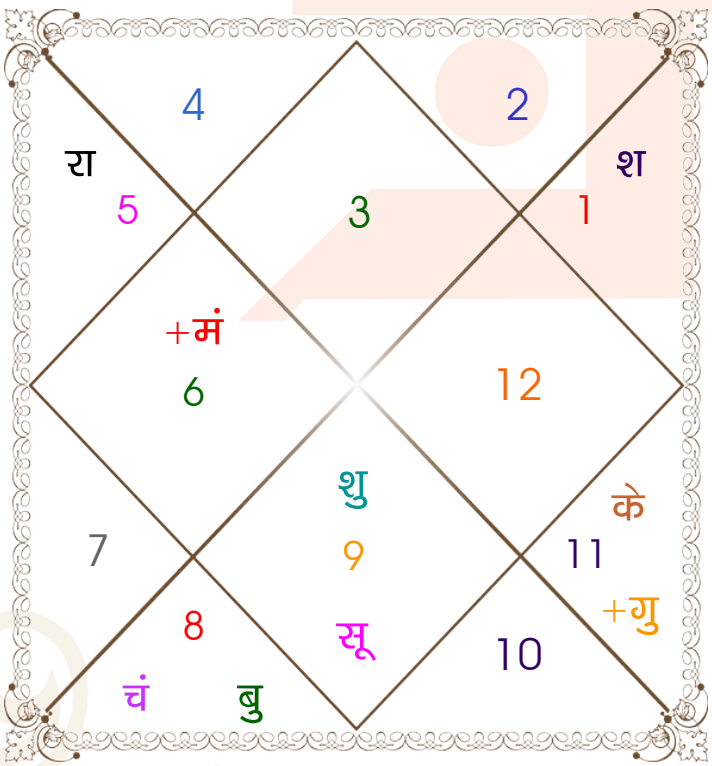

चन्द्र कुंडली

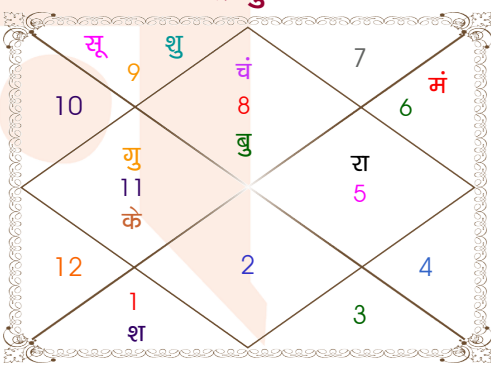

नवमांश कुंडली

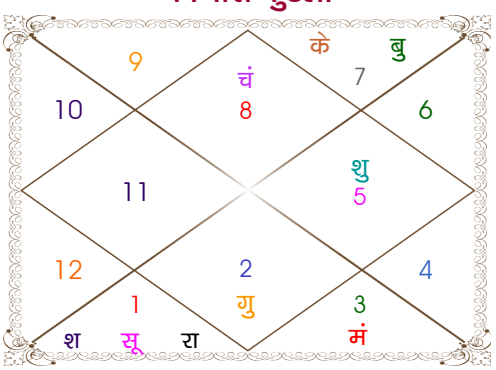

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 1 वर्ष 9 मास 14 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
17/12/1998		01/10/2000		01/10/2017		01/10/2024		01/10/2044	
01/10/2000		01/10/2017		01/10/2024		01/10/2044		02/10/2050	
	00/00/0000	बुध	28/02/2003	केतु	28/02/2018	शुक्र	01/02/2028	सूर्य	19/01/2045
	00/00/0000	केतु	25/02/2004	शुक्र	30/04/2019	सूर्य	31/01/2029	चंद्र	20/07/2045
	00/00/0000	शुक्र	26/12/2006	सूर्य	05/09/2019	चंद्र	02/10/2030	मंगल	25/11/2045
	00/00/0000	सूर्य	01/11/2007	चंद्र	05/04/2020	मंगल	02/12/2031	राहु	20/10/2046
	00/00/0000	चंद्र	02/04/2009	मंगल	01/09/2020	राहु	02/12/2034	गुरु	08/08/2047
	00/00/0000	मंगल	30/03/2010	राहु	19/09/2021	गुरु	02/08/2037	शनि	20/07/2048
	00/00/0000	राहु	16/10/2012	गुरु	26/08/2022	शनि	01/10/2040	बुध	27/05/2049
	17/12/1998	गुरु	22/01/2015	शनि	05/10/2023	बुध	02/08/2043	केतु	01/10/2049
गुरु	01/10/2000	शनि	01/10/2017	बुध	01/10/2024	केतु	01/10/2044	शुक्र	02/10/2050

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
02/10/2050		01/10/2060		02/10/2067		01/10/2085		02/10/2101	
01/10/2060		02/10/2067		01/10/2085		02/10/2101		18/12/2118	
चंद्र	02/08/2051	मंगल	27/02/2061	राहु	14/06/2070	गुरु	20/11/2087	शनि	05/10/2104
मंगल	02/03/2052	राहु	18/03/2062	गुरु	07/11/2072	शनि	02/06/2090	बुध	15/06/2107
राहु	01/09/2053	गुरु	22/02/2063	शनि	14/09/2075	बुध	07/09/2092	केतु	24/07/2108
गुरु	01/01/2055	शनि	02/04/2064	बुध	02/04/2078	केतु	14/08/2093	शुक्र	24/09/2111
शनि	01/08/2056	बुध	30/03/2065	केतु	21/04/2079	शुक्र	14/04/2096	सूर्य	05/09/2112
बुध	01/01/2058	केतु	26/08/2065	शुक्र	20/04/2082	सूर्य	31/01/2097	चंद्र	06/04/2114
केतु	02/08/2058	शुक्र	26/10/2066	सूर्य	15/03/2083	चंद्र	02/06/2098	मंगल	16/05/2115
शुक्र	02/04/2060	सूर्य	03/03/2067	चंद्र	13/09/2084	मंगल	09/05/2099	राहु	22/03/2118
सूर्य	01/10/2060	चंद्र	02/10/2067	मंगल	01/10/2085	राहु	02/10/2101	गुरु	18/12/2118

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 1 वर्ष 9 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगे तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगे।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबले लंबे एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखतें हो। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपनी पत्नी के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेते हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देते हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रोबिले कार्य कलाप से जीवन संगिनी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेते हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाते हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देते हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाते हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगे। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीला तथा अपव्ययकारी हो जाते हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करते हैं। आप असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकते हैं।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं। अतः आप ऐसी सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा आप सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिकतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली कि विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।